अन्य गद्य विधाएँ
(BAPHCC04)
Core Course - (CC) Credit:6

Unit 1

शिवशम्भू के चिटठे बनाम लार्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त

साहित्य का उदेश्य – प्रेमचंद

Unit 2

भक्तिन : संस्मरण - महादेवी वर्मा

अदम्य जीवन – रांगेय राघव

Unit 3

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)- विष्णु प्रभाकर

शायद : एकांकी - मोहन राकेश

Unit 4

उखड़े खम्भे – हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)

लक्खा बुआ (`नंगा तलाई का गांव `से) - विश्वनाथ त्रिपाठी

References

हिंदी का गद्ध साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

गधकर जानकी बल्लभ शास्त्री – पाल भसीन

हिंदी साहित्य और सवेंदन का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी गध का विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

निबंधों की दिनिया - विजयदेवनारायण साही ;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला जैन /अनिल राय

छायावादोत्तर गध साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Unit 1

शिवशम्भू के चिटठे बनाम लार्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त

साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद

Unit 2

भक्तिन : संस्मरण - महादेवी वर्मा

अदम्य जीवन – रांगेय राघव

Unit 3

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)- विष्णु प्रभाकर

शायद : एकांकी - मोहन राकेश

Unit 4

उखड़े खम्भे – हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)

लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गांव 'से) - विश्वनाथ त्रिपाठी

References

हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

गधकर जानकी बल्लभ शास्त्री – पाल भसीन

हिंदी साहित्य और सवेंदन का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी गध का विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

निबंधों की दिनिया - विजयदेवनारायण साही ;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला जैन /अनिल राय

छायावादोत्तर गध साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Unit 1

शिवशम्भू के चिटठे बनाम लार्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त

साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद

Unit 2

भक्तिन : संस्मरण - महादेवी वर्मा

अदम्य जीवन – रांगेय राघव

Unit 3

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)- विष्णु प्रभाकर

शायद : एकांकी - मोहन राकेश

Unit 4

उखड़े खम्भे – हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)

लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गांव 'से) - विश्वनाथ त्रिपाठी

References

हिंदी का गद्ध साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

गधकर जानकी बल्लभ शास्त्री – पाल भसीन

हिंदी साहित्य और सवेंदन का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी गध का विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

निबंधों की दिनिया - विजयदेवनारायण साही ;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला जैन /अनिल राय

छायावादोत्तर गध साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Unit 1

शिवशम्भू के चिटठे बनाम लार्ड कर्जन – बालमुकुन्द गुप्त

साहित्य का उदेश्य – प्रेमचंद

Unit 2

भक्तिन : संस्मरण - महादेवी वर्मा

अदम्य जीवन – रांगेय राघव

Unit 3

वैष्णव जन (ध्वनि रूपक)- विष्णु प्रभाकर

शायद : एकांकी - मोहन राकेश

Unit 4

उखड़े खम्भे – हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)

लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गांव 'से) - विश्वनाथ त्रिपाठी

References

हिंदी का गद्ध साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

गधकर जानकी बल्लभ शास्त्री – पाल भसीन

हिंदी साहित्य और सवेंदन का विकास –रामस्वरूप चतुर्वेदी

हिंदी गध का विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

निबंधों की दिनिया - विजयदेवनारायण साही ;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला जैन /अनिल राय

छायावादोत्तर गध साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी कथा साहित्य
(BAPHCC03)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

हिन्दी कथा साहित्य के उद्भव और विकास का परिचय

गद्य साहित्य विश्लेषण

Course Learning Outcomes

कथा- साहित्य का परिचय और विकास

प्रमुख उपन्यास और कहानियों का अध्ययन

Unit 1

इकाई -1 : उपन्यास :स्वरुप और संरचना

Unit 2

इकाई -2 :गबन – प्रेमचंद

Unit 3

इकाई- 3 : कहानी : स्वरूप और संरचना

Unit 4

कहानी : परदा – यशपाल

रोज –अज्ञेय

दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर

दाज्यू – शेखर जोशी

हरि बिंदी – मुदुला गर्ग

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलाश शर्मा

हिंदी उपन्यास :एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

एक दुनिया एक समान्तर – राजेन्द्र यादव

कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह

नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर

हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र

हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव

नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी

साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह

कुछ कहानियाँ :कुछ विचारक – विश्वनाथ त्रिपाठी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह चर्चा

Assessment Methods

कक्षा व्याख्यान , परिचर्चा

Keywords

कथा साहित्य

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)
(BAPHCC02)
Core Course - (CC) Credit:6

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों को हिन्दी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना |

मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना |

Course Learning Outcomes

कविताओं का अध्ययन-विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे |

साहित्य के सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी |

Unit 1

कबीर – ग्रन्थावली ;माता प्रसाद गुप्त ;लोकभारती प्रकाशन ,1969 ई.

कबीर –साँच कौ अंग (1)भेष कौ अंग (5,9,12,) संग्रथाई कौ अंग (12)

सूरदास – सूरसागर संपा.डॉ धीरेन्द्र बर्मा ;साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला ---पद संख्या 20,26,27,60,

गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रन्थावली (दूसरा खण्ड);संपा.आचार्य रामचन्द्र शुक्ल(नागरी प्रचारणी सभा,कशी)

दोहावली –छंद संख्या -277,355,401,412,490,

Unit 2

बिहारी रीतिकाव्य – संग्रह,जगदीश गुप्त,ग्रंथम,कानपुर,1983 ई.

छंद संख्या -9,13,18,21,58,66,67

घनानद – रीतिकाव्य संग्रह ;जगदीश गुप्त ;साहित्य भवन प्रा.लि;इलाहबाद ; प्रथम संस्करण ;1961 ई.

छंद संख्या -3,14,16,18,23,24

Unit 3

मैथिलीशरण गुप्त – रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड ;साहित्य सदन झाँसी)

पद संख्या ---123 से 128

जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री !(लहर, लोकभारती प्रकाशन 2000)

हिमालय के आँगन में ....(स्कन्दगुप्त :भारती भण्डार,इलाहबाद,1973)

Unit 4

हरिवंस राय 'बच्चन'– जो बीत गयी .... (हरिवंश राय बच्चन :प्रतिनिधि कविता राजकमल पेपर बैक्स,संपा. - मोहन गुप्त)2009

नागर्जुन –उनको प्रणाम !(नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ ,संपा.नामवर सिंह ,राजकमल,पेपर बैक्स,2009)

भवानीप्रसाद मिश्र –गीत –फरोश (दूसरा सप्तक,भारतीय ज्ञानपीठ पकाशन ;द्वतीय संस्करण 1970 ई.)

References

कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

बिहारी की वाग्विभूती –विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सूरदास – ब्रजेस्वर शर्मा

सूरदास - रामचन्द्र शुक्ल

गोस्वामी -तुलसी दास

घनानद और क्व्यधरा मनोहर - लाल

सनेह को मागर – इमरै बंघा

मैथिलीशरण गुप्त :व्यक्ति और काव्य – कमलकांत पाठक

प्रसाद.पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह दिनकर

प्रसाद के काव्य – प्रेम शंकर

जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी

हरिवंशराय बच्चन – संपा.पुष्पा भारती

आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूह परिचर्चा, ऑनलाइन लिंक

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (BAPHCC01)
Core Course - (CC) Credit:6

Unit 1

इकाई 1

क हिन्दी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1 हिन्दी भाषा का उद्भव

2. हिन्दी भाषा की बोलियाँ

3 हिन्दी भाषा का विकास : आदिकालीन हिन्दी , मध्यकालीन हिन्दी , आधुनिककालीन हिन्दी

ख हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1 आदिकाल : कालविभाजन एवं नामकरण

2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

Unit 2

इकाई 2

हिन्दी साहित्य का इतिहास : **भक्तिकाल**

1 भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास

2 भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

Unit 3

इकाई 3.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1॰ रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा

2॰ रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

Unit 4

इकाई 4.

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रामण की परिस्थितियाँ)

2.आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)

3 गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

हिंदी भाषा - धीरेन्द्र वर्मा

हिंदी भाषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी
हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचन्द्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का इतिहास - स. डॉ. नगेन्द्र
हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी

कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश
(BAPHDSE05)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Unit 1

कोश परिचय

*अर्थ और परिभाषा

*उपयोगिता और महत्त्व

*हिंदी कोश के उपयोग के नियम

(वर्णानुक्रम, स्वर की मात्राएँ,अनुस्वार एवं अनुनासिक , संयुक्त व्यजन वर्ण)

Unit 2

कोश निर्माण

*शब्द संकलन एवं चयन

*प्रविष्ठि (वर्तनी ,कर्म,व्याकरणिक कोटि और स्रोत)

*शव्द का अर्थ एवं विस्तार

*शब्द प्रयुक्तियाँ

Unit 3

कोश के प्रकार

*कोश :वर्गीकरण के आधार

*विषय के अधार पर(भूगोल कोश ,इतिहास कोश,मनोविज्ञान कोश,धर्म कोश,आदि)

*भाषा के अधार पर(एकभाषी,द्विभाषी और बहुभाषी)

*समांतर कोश

*पारिभाषिक शब्दावली

Unit 4

प्रमुख कोशों का परिचय

*हिंदी –हिंदी शब्दकोश –बृहत् हिंदी शब्दकोश;ज्ञानमंडल

*अंग्रेजी – हिंदी शब्दकोश –फादर कामिल बुल्के

*हिंदी -- अंग्रेजी शब्दकोश – भोलानाथ तिवारी और महेंद्र कुमार

*विश्वकोश – हिंदी शब्दसागर – नगरी प्रचारिणी सभा

*समांतर कोश – अरविंद कुमार .कुसुम कुमार;नेशनल बुक ट्रस्ट , नै दिल्ली

*ई – कोश

References

कोश विज्ञान -- भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना,प्रकार और रूप –रामचंद्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य –अचलानंद जखमोला

हिंदी शब्द सागर – नागरी प्रचारणी सभा , प्रयाग

हिंदी साहित्य कोश –धीरेन्द्र वर्मा

कोश विज्ञान :सिद्धांत एवं प्रयोग –राम आधार सिंह

कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग –त्रिभुवननाथ शुक्ल

Lexicography : an introduction –howareJackson;routledge publication , London

भारत में कोश विज्ञान पर विशेष – गवेषणा ;अंक 93;जनवरी –मार्च ,2009

वेबलिंक

*www.archive.org(hindishabdsagar)

*www.britannika.org

*www.e.vikipedia.com

*www.encyclopedia.center.com

*www.culturepedia.com

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- कबीर
(BAPHDSE06)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

- हिन्दी साहित्य के भक्तिकाल, निर्गुण काव्यधारा, संत काव्य-धारा से अवगत करवाना.
- कबीर-काव्य की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना.

- पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों और पदों के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा खोजने का प्रयास करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी-

- भक्तिकाल की राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-धार्मिक स्थितियों को समझ पायेंगे.
- कबीर-काव्य की सामाजिक चेतना के माध्यम से विद्यार्थी में सामाजिक समरसता का विकास होगा.
- मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा.

Unit 1

- कबीर का साहित्यिक परिचय
- संतकाव्य की विशेषताएँ

Unit 2

- कबीर की साखियाँ (कुल 12)
- गुरुदेव कौ अंग- 3,7,11
- सुमिरण कौ अंग – 4,9,32
- विरह कौ अंग – 18,22
- चेतावणी कौ अंग – 13,14
- साध साषीभूत कौ अंग – 2
- उपदेस कौ अंग – 9

(कबीर – श्यामसुंदर दास)

Unit 3

- कबीर के पद (कुल 6)
- राग गौड़ी (पद सं. 3,6,89,111,114,117)

(कबीर-श्यामसुंदर दास)

Unit 4

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर की भक्ति भावना
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर की भाषा

- कबीर की दार्शनिक चेतना

References

- कबीर-श्यामसुंदर दास
- कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार-गोपेश्वर सिंह
- निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय
- कबीर की चिंता - बलदेव वंशी
- भक्ति का सन्दर्भ-देवीशंकर अवस्थी
- भक्ति काव्य का समाज दर्शन- प्रेमशंकर

Teaching Learning Process

- निर्धारित दोहों और पदों का विद्यार्थियों द्वारा वाचन.
- निर्धारित अंशों पर विचार-विमर्श करते हुए उनके निहितार्थ खोजना.
- दोहों और पदों के कथ्य और संवेदना के स्तर पर विभिन्न पक्षों को वर्तमान की स्थितियों के परिप्रेक्ष्य में देखना.
- कबीर की भाषा की प्रकृति और उसकी प्रभावकारिता को खोजना.
- दोहों और पदों की रिकार्डेड सी डी दिखाना/सुनाना.

Assessment Methods

- कबीर-काव्य में उपस्थित सामाजिक, दार्शनिक,मानवीय चेतना और भक्ति-भावना के विश्लेषण के आधार पर.
- महत्वपूर्ण अंशों की व्याख्या के आधार पर.
- कबीर-काव्य की भाषायी कौशल के विश्लेषण के आधार पर

Keywords

- प्रतीक
- उलटबासी
- रहस्यवाद
- माया
- राम
- कुंडलिनी
- इंगला-पिंगला-सुष्मुना
- सिद्ध-नाथ
- भक्ति
- ब्रह्म
- परमात्मा-जीवात्मा

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- तुलसीदास
(BAPHDSE0601)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भक्तिकाल के महत्वपूर्ण कवि तुलसीदास के साहित्य का अध्ययन-विश्लेषण

Course Learning Outcomes

तुलसीदास के जीवन और साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन

Unit 1

तुलसीदास का साहित्यिक परिचय

रामभक्ति शाखा की विशेषता

Unit 2

रामचरितमानस

(बालकाण्ड : दोहा 201 से 205 तक)

(सुन्दरकाण्ड :दोहा 3 से 10 तक)

(गीता प्रेस,गोरखपुर)

Unit 3

विनयपत्रिका

(पद सं.100 से 110 तक)

(गीता प्रेस ,गोरखपुर)

Unit 4

तुलसीदास की भक्ति भावना

तुलसीदास की भाषा

तुलसीदास की समन्वय चेतना

"मानस" में राम – सुग्रीव मैत्री प्रसंग

References

रामचरितमानस – तुलसीदास

विनयपत्रिका --तुलसीदास

लोकवादी तुलसीदास –विश्वनाथ त्रिपाठी

गोस्वामी तुलसीदास – आचर्य रामचन्द्र शुक्ल

भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मनेजर पांडेय

तुलसीदास काव्य में मीमांसा – उदयभानु सिंह

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता वाचन

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

ब्रज और अवधी शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- निराला (BAPHDSE0603)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

महाकवि निराला का जीवन परिचय और साहित्यिक अवदान

उनके परिवेश और कवि के संघर्ष का अध्ययन करना

Course Learning Outcomes

महाकवि निराला के साहित्य का अध्ययन विश्लेषण

कवि के परिवेश की समझ

Unit 1

निराला

छायावाद का समान्य परिचय

निराला का साहित्यिक परिचय

Unit 2

सरोज स्मृति

वह तोडती पत्थर

भिक्षुक

कुकुरमुत्ता

Unit 3

लिली

सुकुल की बीवी

Unit 4

विल्लेसुर बकरिहा

References

छायावाद – नामवर सिंह

निराला :आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

आधुनिक साहित्य की विविध प्रवृतियाँ – नामवर सिंह

राग विराग – रामविलास शर्मा

निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा

लिली – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

सुकुल की बीवी –सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

आधुनिक कविता यात्रा –रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कविता पाठ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

साहित्यिक आलोचनात्मक शब्दावली

विशेष अध्ययन : एक प्रमुख साहित्यकार- प्रेमचंद (BAPHDSE0602) Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद का परिचय, साहित्य और विश्लेषण

Course Learning Outcomes

प्रेमचन्द्र के साहित्य के विविध आयामों का अध्ययन - विश्लेषण

Unit 1

प्रेमचंद का साहित्यक परिचय

प्रेमचंद की उपन्यास कला

प्रेमचंद की कहानी कला

Unit 2

सुभागी

बड़े घर की बेटी

सवा सेर गेंहूँ

पंच परमेश्वर

सद्गति

Unit 3

कर्मभूमि

Unit 4

`कर्बला` नाटक की मूल सवेदना

`कलम का सिपाही` अमृतराय (पृ.सं.299 से 305 तक)

References

प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

प्रेमचंद एक विवेचन – इद्रनाथ मदान

हिंदी उपन्यास : अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र

सृजनशीलता का संकट – नित्यानंद तिवारी

ज़माने से दो - दो हाथ – नामवर सिंह

मानसरोवर (भाग 1 और 2) – प्रेमचंद

कहानी नई कहानी –नामवर सिंह

कर्मभूमी - प्रेमचंद

कलम के सिपाही – अमृतराय

प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी

हिंदी गध विन्यास और विकास – रामस्वरूप चातिर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

कथा साहित्य

उपन्यास कहानी
साहित्यिकता

साहित्य चिंतन
(BAPHDSE04)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

साहित्य सिद्धान्तों का अध्ययन

साहित्यिक आलोचना के निर्माण में विभिन्न अवयवों का अध्ययन

साहित्य की व्याख्या के लिए जरूरी अंगों-उपांगों, साहित्यिक भेदों-उपभेदों का अध्ययन

Course Learning Outcomes

साहित्य और समाज की पारस्परिक अर्थवत्ता और महत्ता के साथ-साथ आलोचनात्मक विवेक का निर्माण

साहित्य की व्याख्या के लिए शास्त्रीय सिद्धांतों का ज्ञान प्राप्त करना
विद्यार्थियों के सैद्धांतिक सोच औए समझ के स्तर को समृद्ध करते हुए साहित्य के साथ अन्य कलाओं की समझ विकसित करना

Unit 1

साहित्य का स्वरूप :

- विविध दृष्टिकोण
- साहित्य और समाज
- साहित्य की प्रयोजनीयता

Unit 2

रस :

- परिभाषा
- स्वरूप
- अंग
- भेद

Unit 3

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- भाषा सौष्ठव
- शब्दशक्ति
- अलंकार
- प्रतीक
- बिम्ब
- मिथक
- फैंटेसी

Unit 4

रचनात्मक भूमिका और महत्व की दृष्टि से अध्ययन :

- छंद
- लय
- तुक

References

साहित्य सहचर - हजारीप्रसाद द्विवेदी

साहित्य का स्वरूप - नित्यानन्द तिवारी
साहित्य सिद्धान्त - रामअवध द्विवेदी
काव्य के तत्व - देवेन्द्रनाथ शर्मा
काव्यभाषा पर तीन निबंध - रामस्वरूप चतुर्वेदी और सत्यप्रकाश मिश्र
साधारणीकरण और काव्यासवाद - राजेंद्र गौतम

Additional Resources:

हिंदी साहित्य कोश - भाग 1, 2 - संपादक - धीरेन्द्र वर्मा

साहित्य सिद्धांत - रेनी वेलेक और ऑस्टीन

Teaching Learning Process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन-अध्यापन

समूह-परिचर्चाएँ
कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

Assessment Methods

सतत मूल्यांकन

असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
समूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य चिंतन, साहित्य सिद्धान्त, आलोचना, रस, छंद, अलंकार, शास्त्रीय आलोचना, साहित्य और समाज, कलाएं आदि ।

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा
(BAPHDSE02)
Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

भारत के मौखिक साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन

लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी
पर्यटन और संगीत-नृत्य आदि में आकर्षण

Course Learning Outcomes

मौखिक साहित्य का परिचय

प्रमुख रूपों का परिचय
संस्कृति और लोक-जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

Unit 1

मौखिक साहित्य की अवधारणा :सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोगगीत ,लोककथा ,लोकगाथाएँ ,लोकनाट्य ,लोकोक्तियाँ

पहेलियाँ - बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय)मौखिक और समाज !

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि !

सोहर भोजपुरी सस्कर गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधि –हिंदी प्रदेश कि लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य –विधा सिन्हा ,प्.116

ऋतूसंबंधी गीत :बारामासा ,होली.चैत ,कजरी इत्यादि !

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के उल्लेखित पृष्ट

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य :शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी परदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विधा निवास मिश्र ,पृ 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि !

कटनी के गीत , अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी :भोजपुरी –भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विधा सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती –कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी ,

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रा.न.त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं :

विधा के सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएं एवं लोकगाथाएं आल्हा ,लोरिक , सारंग – सदावृक्ष , बिहुला

राजस्थानी लोककथा नं पृ 2 ,हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन,

पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं . 2, हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायनपृ 187 -188

Unit 4

लोकनाट्य :

विधा का परिचय ,विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलीयाँ,रामलीला ;रासलीला मालवा का नाच ;राजस्थान का ख्याल ,उत्तर प्रदेश की नौटंकी , भांड ,रासलीला ;बिहार –बिदेसिया ;हरियाणा सांग पाठ :संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली ,संपा पूरनचन्द्र शर्मा ,हरियाणा साहित्य अकादमी ,पंडवानी :तीजन बाई

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा परदेश का लोकसाहित्य – शंकर लाल यादव

मीट माई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार

रसमंजरी – सुचिता रामदीन महात्मा गाँधी संस्थान,मॉरिशस

हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास ,पं . राहुल संकृत्यायन ; सोलहवां भाग

वाचिक कविता :भोजपुरी -- पं विद्ध्यानिवास मिश्र

भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य – विधा सिन्हा

कविता कौमोदी :ग्रामगीत –पं .रामनरेश त्रिपाठी

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोक कला अकादमी की पत्रिका-- चौमासा

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुति को देखना

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ, सांस्कृतिक शब्द

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण (BAPHDSE01) Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी देना

विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की प्रकृति की जानकारी

Course Learning Outcomes

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी

विभिन्न क्षेत्रों के अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन

प्रयोगात्मक कार्य

Unit 1

भाषा और व्याकरण

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण कि परिभाषा,महत्व,भाषा और व्याकरण का अंत:संबंध
- ध्वनि,वर्ण एवं मात्राएँ

Unit 2

शव्द परिचय

- शव्दों के भेद –तत्सम,तत्भव,देशज,विदेशी (स्रोत के अधर पर)
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ (संज्ञा,सर्वनाम ,क्रिया आदि)   (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्दगत अशुद्धियाँ
- शब्द –निर्माण –उपसर्ग ,प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर

Unit 3

व्याकरण व्यवहार

- लिंग , वचन , करक ,
- संधि और समाज
- मुहावरों एवं लोकोक्तियाँ
- अपठित गद्दांश

Unit 4

वाक्य परिचय

- वाक्य के अंग –उद्देश्य और विधेय
- वाक्य के भेद (रचना के आधार पर)
- वाक्यगत अशुद्धियाँ
- विराम चिन्ह

References

हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास –धीरेन्द्र वर्मा

भारतीय पुरालिपि –डॉ.राजबलि पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)

हिंदी भाषा का उद्गम और विकास –उदयनारायण तिवारी

हिदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक –डॉ हनुमानप्रसाद शुक्ला

लिपि की कहानी –गुणाकर मुले

भाषा और समाज –रामविलास शर्मा

हिंदी भाषा का उदगम और विकास –उदयनारायण तिवारी

हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

हिंदी व्याकरण –कामताप्रसाद गुरु

हिंदी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी

A grammar lingusistics of the hindi language –kellog

Hindi linguistics – R.N.shrivastav

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, परियोजना कार्य

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

भाषा और अनुवाद की शब्दावली

हिंदी रंगमंच
(BAPHDSE03)

Discipline Specific Elective - (DSE) Credit:6

Course Objective(2-3)

रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान देना

हिन्दी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों के विचारों को समझना

Course Learning Outcomes

रंगमंच के विकास के साथ - साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी

प्रमुख विचारकों की रंगदृष्टि से अवगत हो पाएंगे

पारंपरिक और आधुनिक रंगमंच की समझ विकसित होगी

भारतबोध विकसित होगा

Unit 1

पारंपरिक रंगमंच: रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, पांडवानी, नाचा, अंकिया, भाओना(मुखौटा कला) का सामान्य परिचय

Unit 2

हिंदी रंगमंच : पारसी थिएटर, भारतेन्दु युगीन रंगमंच, पूर्वोत्तर भारत का रंगमंच

Unit 3

रंग संस्थाएँ : रंग- प्रशिक्षण एवं गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली;

रंगमंडल, भारत भवन, भोपाल; भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ ।

Unit 4

प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : श्रीमंत शंकरदेव, झाडूराम देवांगन, राधेश्याम कथावाचक, भिखारी ठाकुर, आचार्य जनार्दनदेव गोस्वामी, हेमचन्द्र गोस्वामी।

References

पारंपरिक भारतीय रंगमंच –कपिल वात्स्यायन

परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर

भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास – अज्ञात

पारसी हिंदी रंगमंच—लक्ष्मीनारायण लाल

नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर –जानकी वल्लभ शात्री

आधुनिकी हिंदी नाटक और रंगमंच –लक्ष्मीनारायण लाल

समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच --नरेंद्र मोहन

पहला रंग –देवेन्द्र राज अंकुर

आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच -- नेमीचन्द्र जैन

लखिमचंद का काव्य – वैभव --हरिचन्द्र बंधु

भिखारी ठाकुर :भोजपुरी के भारतेंदु –भगवत प्रसाद द्विवेदी

कंटेम्प्रेरी इंडियन थिएटर :इंटरव्यू विद प्लेराइटस एंड डायरेकटर्स—संगीत नाटक अकादमी

थिएटर्स आव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाडकर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, व्यावहारिक ज्ञान के लिए एन॰एस॰ डी॰ भ्रमण, ऑनलाइन विडियो

Keywords

रंगमंच संबंधी शब्दावली

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा
(BAPHSEC06)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कंप्यूटर की वर्तमान स्थिति की समझ विकसित करना

कंप्यूटर पर हिंदी का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी के कंप्यूटरी प्रयोग पर बल

सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगा

Unit 1

कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

*कम्प्यूटर का परिचय और विकास

*कम्प्यूटर में हिंदी का आरम्भ एवं विकास

*हिंदी के विविध फोंट

*कम्प्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

Unit 2

हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

*इंटरनेट पर हिंदी

*यूनिकोड, देवनागरी,लिपि और हिंदी भाषा

*हिंदी और वेब डिज़ाइनिंग

*हिंदी की वेबसाइड

Unit 3

हिंदी भाषा,कम्प्यपूटर और गवर्नेंस

*राजभाषा हिंदी के प्रचार में कम्प्यूटर की भूमिका

*ई –गवर्नेंस, इंटरनेट

*हिंदी भाषा शिक्षण और ई लर्निंग

*सरकारी और गैर – सरकारी संस्थाएं

Unit 4

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर : विविध पक्ष

*इंटरनेट पर हिंदी पत्र – पत्रिकएँ

*एसऍमएस की हिंदी

*न्यू मीडिया और हिंदी भाषा

*हिंदी के विभिन्न बोर्ड

References

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा

कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन

हिंदी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल

कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकारण और भाषा सिद्धांत - पी.के.शर्मा

मीडिया : भूमंडलीकरण और समाज संपा.संजय द्ववेदी

नए ज़माने की पत्रकारिता – सौरव शुक्ल

पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार

जनसंचार के संदर्भ – जबरीमल्ल पारख

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

संबंधित क्षेत्र की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी
(BAPHSEC03)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालयी, क्षेत्रीय कार्यालयी और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिकता पदावालीयाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

समान्य परिचय

कार्यलियी से निर्गत पत्र (ज्ञापन,परिपत्र,अनुस्मारक,पृष्ठांकन,आदेश,सूचनाएँ,नीविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप,विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार,भाषा शैली,प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकर,विशेषताएँ और संक्षेपण कि विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णा किमर गोस्वामी

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्दात और प्रयोग –दंगल झाल्ते

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालयी, क्षेत्रीय कार्यालयी और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिकता पदावालीयाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

समान्य परिचय

कार्यलियी से निर्गत पत्र (ज्ञापन,परिपत्र,अनुस्मारक,पृष्ठांकन,आदेश,सूचनाएँ,नीविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप,विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार,भाषा शैली,प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकर,विशेषताएँ और संक्षेपण कि विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णा किमर गोस्वामी

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्धात और प्रयोग –दंगल झाल्ते

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालयी, क्षेत्रीय कार्यालयी और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिकता पदावालीयाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

समान्य परिचय

कार्यलियी से निर्गत पत्र (ज्ञापन,परिपत्र,अनुस्मारक,पृष्ठांकन,आदेश,सूचनाएँ,नीविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप,विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार,भाषा शैली,प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकार,विशेषताएँ और संक्षेपण कि विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णा किमर गोस्वामी

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्वात और प्रयोग –दंगल झाल्ते

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालयी, क्षेत्रीय कार्यालयी और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिकता पदावालीयाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

समान्य परिचय

कार्यलियी से निर्गत पत्र (ज्ञापन,परिपत्र,अनुस्मारक,पृष्ठांकन,आदेश,सूचनाएँ,नीविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप,विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार,भाषा शैली,प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकर,विशेषताएँ और संक्षेपण कि विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णा किमर गोस्वामी

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्वात और प्रयोग –दंगल झाल्ते

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालयी, क्षेत्रीय कार्यालयी और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिकता पदावालीयाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

समान्य परिचय

कार्यलियी से निर्गत पत्र (ज्ञापन,परिपत्र,अनुस्मारक,पृष्ठांकन,आदेश,सूचनाएँ,नीविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप,विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार,भाषा शैली,प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकर,विशेषताएँ और संक्षेपण कि विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णा किमर गोस्वामी

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्धात और प्रयोग –दंगल झाल्ते

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

Course Objective(2-3)

कार्यालयी भाषा की जानकारी देना

विभिन्न कार्यालयी आवश्यकताओं को चिन्हित करना

Course Learning Outcomes

कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा

विभिन्न कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप सीख सकेंगे
टिप्पण, प्रारूपण और संक्षेपण आवश्यकताओं की समझ विकसित होगी

Unit 1

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य तथा क्षेत्र

अभिप्राय तथा उद्देश्य

कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र

सामान्य हिंदी तथा कार्यालयी हिंदी : संबंध तथा अंतर

कार्यालयी हिंदी स्थिति और संभावनाएँ

Unit 2

कार्यालयी हिंदी की शब्दावली

कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम तथा अनुभाग के नाम

मुख्य कार्यालयी, क्षेत्रीय कार्यालयी और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रयुक्त होने वाले संबोधन,

निर्देश आदि

औपचारिकता पदावालीयाँ / अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा तैयार)

Unit 3

कार्यालयी पत्राचार के विविध प्रकार

समान्य परिचय

कार्यलियी से निर्गत पत्र (ज्ञापन,परिपत्र,अनुस्मारक,पृष्ठांकन,आदेश,सूचनाएँ,नीविदा)

आवेदन – लेखन

Unit 4

टिप्पण,प्रारूपण और संक्षेपण

टिप्पण का स्वरूप,विशेषताएँ और भाषा शैली

प्रारूपण के प्रकार,भाषा शैली,प्रारूपण की विधि

संक्षेपण के प्रकर,विशेषताएँ और संक्षेपण कि विधि

उपर्युक्त सभी इकाइयों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

References

-प्रयोजनमूलक हिंदी – माधव सोनटक्के

-प्रारूप शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन विधि - राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव

-प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका –कैलाशनाथ पाण्डेय

-प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी – कृष्णा किमर गोस्वामी

-प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्धात और प्रयोग –दंगल झाल्ते

Teaching Learning Process

विभिन्न कार्यालयी पत्रों दस्तावेज़ों के माध्यम से कार्यालयी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान देना

कक्षा व्याख्यान
सामूहिक चर्चा

Keywords

सभी कार्यालयी शब्द

भाषा शिक्षण
(BAPHSEC02)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे।

Course Learning Outcomes

विभिन्न भाषाई कौशलों के ज्ञानार्जन के उपरांत विद्यार्थी शिक्षण,मीडिया,अभिनय आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का विकास कर सकेंगे। वे शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई पद्धतियों का अनुसंधान करने की दिशा में अग्रसर होंगे।

Unit 1

भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण: अभिप्राय और महत्त्व
- भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सन्दर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण,अर्जन, अधिगम

Unit 2

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
- द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
- मातृभाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

Unit 3

भाषा शिक्षण की विधियाँ और भाषिक कौशल

- भाषा कौशल- श्रवण,भाषण, वाचन, लेखन
- भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण
- मातृभाषा शिक्षण पद्दतियाँ
- अन्य भाषा शिक्षण पद्दतियाँ

Unit 4

भाषा परीक्षण और मूल्याँकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के प्रकार
- मूल्याँकन के प्रकार

Practical

विद्यार्थी शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर मातृ भाषा और विदेशी भाषा शिक्षण की कक्षाओं का निरीक्षण कर सकते हैं और इसके प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं।

References

भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष- संपादक अमर बहादुर सिंह

भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान- संपादक ब्रजेश्वर वर्मा

हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी

Teaching Learning Process

शिक्षण योजना

सप्ताह 1 से 4 के बीच

इकाई -1 : भाषा शिक्षण की अवधारणा

- भाषा शिक्षण: अभिप्राय और महत्त्व
- भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय सन्दर्भ
- शिक्षण, प्रशिक्षण,अर्जन, अधिगम
- **सप्ताह 5 से 8 के बीच**

इकाई -2 : भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ

- प्रथम भाषा/ मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
- द्वितीय भाषा तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
- मातृभाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
- विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण

सप्ताह 9 से 12 के बीच

इकाई-3 : भाषा शिक्षण की विधियाँ और भाषिक कौशल

- भाषा कौशल- श्रवण,भाषण, वाचन, लेखन
- भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण
- मातृभाषा शिक्षण पद्दतियाँ
- अन्य भाषा शिक्षण पद्दतियाँ

सप्ताह 13 से 16 के बीच

इकाई- 4 : भाषा परीक्षण और मूल्याँकन

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना

- भाषा परीक्षण के प्रकार
- मूल्याँकन के प्रकार

Assessment Methods

परीक्षा में चारों इकाइयों से 15-15 अंकों के चार प्रश्न विकल्प सहित होंगे, पांचवें प्रश्न में 15 अंक की दो टिप्पणियां दी जाएंगी। आंतरिक मूल्यांकन में विभिन्न भाषाई कौशलों (श्रवण,भाषण,वाचन, लेखन) के व्यावहारिक ज्ञान का मूल्यांकन किया जा सकता है। भाषा परीक्षण और मूल्यांकन के प्रकारों पर प्रोजेक्ट बनवाए जा सकते हैं।

भाषाई दक्षता
(BAPHSEC04)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

विद्यार्थियों की भाषायी कुशलता का विकास।

व्यावसायिक एवं कार्यालयी हिंदी के सही प्रयोग का विकास।

विद्यार्थियों में द्रुतवाचन एवं मौन पठन का विकास।

Course Learning Outcomes

भाषायी दक्षता का विकास।

विद्यार्थियों की कार्य कुशलता में वृद्धि।

विषय के संक्षेपण एवं पल्लवन की कुशलता का विकास।

Unit 1

इकाई-1 : भाषायी दक्षता का विकास

- भाषायी दक्षता से तात्पर्य
- भाषायी दक्षता का महत्त्व
- श्रवण और वाचन

· पठन और लेखन

Unit 2

इकाई-2 : भाषायी दक्षता की निर्माण प्रक्रिया

· भाषायी संरचना की समझ और विकास

· भाषा-व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)

· भाषायी क्षमता को प्रभावित करने वाले तत्त्व (आयु, लिंग, शिक्षा, वर्ग)

Unit 3

इकाई-3 : भाषायी दक्षता के प्रायोगिक पक्ष

· भाषायी दक्षता की रणनीति : आकलन, लक्ष्य-निर्धारण, नियोजन के स्तर पर

· शब्द-सामर्थ्य : सामान्य एवं तकनीकी शब्द

· सुनना और बोलना – प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप

· पढ़ना और लिखना – स्वाध्याय और उद्देश्य-केंद्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

Unit 4

इकाई-4 : भाषायी दक्षता का व्यावहारिक पक्ष

· किसी एक विषय पर – भाषण, वार्तालाप या टिपण्णी, समूह चर्चा

· किसी एक विषय का – भाव-विस्तार या पल्लवन

· द्रुतवाचन – किसी साहित्यिक कृति पर आधारित

- समीक्षा – पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा

References

· भाषा शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

· सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

· व्यावसायिक हिंदी – दिलीप सिंह

· प्रयोजनमूलक हिंदी – दंगल झाल्टे

· आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अनुज तिवारी

· व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश

· व्यावहारिक का वैचारिक पक्ष – जबरीमल्ल पारख

· जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा – जगदीश्वर चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान , सामूहिक चर्चा

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

रचनात्मक लेखन
(BAPHSEC01)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की और प्रेरित करना.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृति को विकसित करना.

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में -

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी.
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा.
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे.
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी वे अग्रसर हो सकते हैं.

Unit 1

रचनात्मक लेखन: अवधारणा, स्वरुप एवं सिद्धांत

- भाव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण, लोकप्रिय संस्कृति
- लेखन के विविध रूप:मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य, बाल-लेखन

Unit 2

रचनात्मक लेखन: आधार और विश्लेषण

- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की मीमांसा, शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
- भाषिक सन्दर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव:शब्द-शक्ति,प्रतीक, बिम्ब, अलंकार, वक्रता

Unit 3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यवहारिक अध्ययन

- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदबद्ध-छन्दमुक्त, लय, गति,तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश,कथ्य और भाषा
- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य,रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद्य विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत
- बच्चों के लिए लेखन

- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

Unit 4

सूचना-माध्यमों के लिए लेखन

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन : फीचर, यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार, फिल्म-पुस्तक-नाटक समीक्षा, विज्ञापन
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के लिए लेखन : विज्ञापन, पटकथा, संवाद
- नोट: उपरोक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए.

References

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम- रघुवंश
2. शैली - रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन- सं रमेश गौतम
4. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. कविता-रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
6. कविता क्या है - विश्वनाथ तिवारी
7. कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
8. पटकथा लेखन- मनोहर श्याम जोशी
9. कला की जरूरत - अन्सर्ट फिशर, अनुवादक - रमेश उपाध्याय

Teaching Learning Process

- पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न रचनात्मक अभिव्यक्तियों से विद्यार्थी का परिचय करवाना.
- विद्यार्थी को उक्त अभिव्यक्तियों के अभ्यास के लिए प्रेरित करना.
- विभिन्न साहित्यकारों के साहित्य का पठन-पाठन करने के लिए प्रेरित करना.
- भाषायी कौशल के विकास के लिए कार्यशालाएँ आयोजित करना.

विज्ञापन और हिंदी भाषा
(BAPHSEC05)
Skill-Enhancement Elective Course - (SEC) Credit:4

Course Objective(2-3)

I. विद्यार्थियों को विज्ञापन के विस्तृत क्षेत्र से परिचित कराना

II. विज्ञापन भाषा के स्वरूप और विशेषताओं का बोध कराना

III. विभिन्न माध्यमों के लिए विज्ञापन कॉपी लेखन का अभ्यास कराना

Course Learning Outcomes

I. विज्ञापन लेखन की दृष्टि से भाषा-दक्षता

II. विज्ञापन निर्माण की पूरी प्रक्रिया को समझना

III. विज्ञापन बाज़ार में विभिन्न माध्यमों की पहुँच और प्रसार क्षमता से परिचित होना

IV. कॉपी लेखन आदि कार्यों के लिए तैयार होना

Unit 1

इकाई 1 : विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा

· विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा और महत्त्व

· विज्ञापन के उद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक

· विज्ञापन के प्रमुख प्रकार

· विज्ञापन के प्रभाव

Unit 2

इकाई 2 : विज्ञापन माध्यम

· विज्ञापन माध्यम चयन के आधार

· प्रिंट, रेडियो और टेलीविज़न

· डिजिटल विज्ञापन तथा आउट ऑफ़ होम विज्ञापन—होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइन बोर्ड,

सोशल मीडिया विज्ञापन--फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब, सोशल नेटवर्किंग साइट्स

· अन्य माध्यम

Unit 3

इकाई 3 : विज्ञापन की भाषा

· विज्ञापन की भाषा का स्वरूप एवं विशेषताएँ

· विज्ञापन की भाषा-शैली के विभिन्न पक्ष

· विज्ञापन स्लोगन एवं पंच लाइन

· प्रमुख हिंदी विज्ञापनों की भाषा का विश्लेषण

Unit 4

इकाई 4 : विज्ञापन:कॉपी लेखन

· विज्ञापन कॉपी के अंग

- प्रिंट माध्यम: लेआउट के विविध प्रारूप

· वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन-निर्माण

· रेडियो जिंगल लेखन

· टेलीविज़न विज्ञापन के लिए कॉपी लेखन

References

सहायक ग्रन्थ

Ø जनसंपर्क, प्रचार और विज्ञापन - विजय कुलश्रेष्ठ

Ø जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

Ø डिजिटल युग में विज्ञापन - सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी

Ø ब्रेक के बाद - सुधीश पचौरी

Ø मीडिया की भाषा - वसुधा गाडगिल

Ø विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा

Ø विज्ञापन डॉट कॉम - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन: भाषा और संरचना - रेखा सेठी

Ø विज्ञापन और ब्रांड – संजय सिंह बघेल

Ø मीडिया और बाज़ार – वर्तिका नंदा

Ø भारतीय मीडिया व्यवसाय – वनिता कोहली-खांडेकर

Ø संचार क्रांति और बदलता सामाजिक सौंदर्य बोध - कृष्ण कुमार रत्तू

Additional Resources:

Ø Jethwaney, J. N., & Jain, S. (2012). *Advertising management.* Oxford: Oxford University Press.

Ø Chunawalla. (2000). *Advertising theory and practice*. Mumbai: Himalaya Publishing House.

Ø Martin, P., & Erickson, T. (2011). *Social media marketing*. New Delhi: Global Vision Publishing House.

वेबलिंक

· www.adbrands.net

· www.afaqs.com

· www.adgully.com

· www.cnbc.com

· www.exchange4media.com

Teaching Learning Process

1) कक्षाओं में पठन-पाठन पद्धति

2) परिचर्चाएँ

3) समूह में प्रोजेक्ट प्रस्तुति

Assessment Methods

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक

परीक्षा : 75 अंक

Keywords

ब्रांड, कॉपी, स्लोगन, डिजिटल, सोशल मीडिया

अनुवाद : व्यवहार और सिद्धांत
(BAPHGE01)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

The university Grants Commission has introduced CBCS courses to make students more skillful for the concern industry to serve in a better way as compare to conventional courses. The CBCS provides an opportunity for th students to choose courses from the list of prescribed courses comprising core, elective/minor or skill based courses. The courses can be evaluated following the grading system, which is considered to be better than the conventional marks system. Therefore, it is necessary to introduce uniform grading system in the entire higher education in India. This will benefit the students to move across institutions within India to begin with and acro countries. The uniform grading system will also enable potential employers in assessing the performance of the candidates. By doing such course the students will be able to get more competency ant authority on the subje

---

Course Learning Outcomes

after successfully completing the course the students will be more skilled than the traditional system of courses.

as this provides uniform structure in entire country and in some other countries as well. The project included in the course is considered as a special course involving application of knowledge in solving / analyzing /exploring a real life situation or a difficult problem.

Unit 1

1. भारत का भाषाई परिदृश्य और अनुवाद
2. अनुवाद का स्वरुप और प्रकार
3. अनुवाद के उपकरण - कोश -ग्रन्थ
4. अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2

1. प्रयुक्ति की अवधारण ; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
2. विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से सम्बंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ
3. विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली
4. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3

अनुवाद व्यवहार - 1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

Unit 4

अनुवाद व्यवहार - 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. बैंकिंग अनुवाद
4. विधि अनुवाद

Practical

प्रोजेक्ट अथवा लघु-शोध-प्रबंध

References

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धांत - कैटफोर्ड, जे सी सिद्धांत (अनुवाद - रविशंकर दीक्षित) मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादेमी, भोपाल
2. अनुवाद के सिद्धांत - रेड्डी, आर.आर. (अनुवाद- डा. जे. एल. रेड्डी) साहित्य अकादेमी, मंडी हाउस, नयी दिल्ली
3. अनुवाद-सिद्धांत और प्रयोग - गोपीनाथन, जी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अनुवाद विज्ञान-सिद्धान्य और अनुप्रयोग - संपादक- डा. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा - सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.

Teaching Learning Process

शिक्षण योजना

सप्ताह 1 से 4 के बीच

इकाई -1 :

1. भारत का भाषाई परिदृश्य और अनुवाद
2. अनुवाद का स्वरुप और प्रकार
3. अनुवाद के उपकरण - कोश -ग्रन्थ
4. अनुवाद प्रक्रिया

सप्ताह 5 से 8 के बीच

इकाई -2 :

1. प्रयुक्ति की अवधारण ; विविध प्रयुक्ति क्षेत्र

2. विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से सम्बंधित सामग्री के अनुवाद की सामान्य समस्याएँ
3. विभिन्न प्रयुक्ति क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

4. अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

सप्ताह 9 से 12 के बीच

इकाई-3 : अनुवाद व्यवहार - 1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. सर्जनात्मक साहित्य
2. ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी साहित्य
3. सामाजिक विज्ञान

सप्ताह 13 से 16 के बीच

इकाई- 4 : अनुवाद व्यवहार - 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)

1. जनसंचार
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. बैंकिंग अनुवाद
4. विधि अनुवाद

Assessment Methods

टर्म पेपर

सेमिनार प्रस्तुतियां
कार्यशालाएं

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य (BAPHGE03)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

अस्मिताओं का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान

प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण

Course Learning Outcomes

अस्मितामूलक विमर्श का ज्ञान

विभिन्न अस्मिताओं की समस्याओं और उसके परिवेश को समझना

प्रमुख कृतियों का परिचय

Unit 1

इकाई - 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी

क) दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अम्बेडकर

ख) स्त्री विमर्श : अवधारणाएं और आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)

रैडिकल, मार्क्सवादी, दलित स्त्रीवाद आदि, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता, समलैंगिकता

ग) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल

Unit 2

विमर्शमूलक कथा साहित्य : (1) ओमप्रकाश बाल्मीकि - सलाम (2)हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158-167 (3) ब्रजमोहन - क्रांतिवीर मदारी पासी, पृष्ठ संख्या : 44-57 (4) नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

Unit 3

विमर्शमूलक कविता :

क) दलित कविता : (1) हीरा डोम (अछूत की शिकायत), (2) मलखान सिंह (सुनो ब्राह्मण), (3) माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा),(4) असंगघोष (मैं दूंगा माकूल जवाब)

ख)स्त्री कविता : (1)अनामिका (स्त्रियां), (2) निर्मला पुतुल (क्या तुम जानते हो),(3) कात्यायनी (सात भाइयों के बीच चम्पा), (4) सविता सिंह (मैं किसकी औरत हूँ)

Unit 4

इकाई - 4 विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :

1 प्रभा खेतान, पृष्ठ 28-42 : अन्या से अनन्या तक

2 तुलसीराम मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारम्भ पृष्ठ संख्या 125 से 135)

3 महादेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न'

4。 श्यौराज सिंह 'बेचैन' - मेरा बचपन मेरे कंधों पर (दिल्ली : बड़ी दुनिया में छोटे कदम, यहाँ एक मोची रहता था)

References

सहायक ग्रन्थ

अम्बेडकर रचनावली - भाग-1

मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अम्बेडकर (अनुवादक श्यौराज सिंह 'बेचैन')

·गुलामगीरी- ज्योतिबा फुले

ज्योतिबा फुले : सामाजिक क्रांति के अग्रदूत - डॉ नामदेव

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरण कुमार लिम्बाले

·दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

·हिंदी दलित कथा साहित्य : अवधारणा एवं विधाएँ - रजत रानी 'मीनू'

अस्मितामूलक विमर्श - रजत रानी मीनू

स्त्री उपेक्षिता - सिमोन द बोउवा

उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान

औरत होने की सजा -अरविंद जैन

नारीवादी राजनीति -जिनी निवेदिता

स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा - सुधा सिंह

स्त्री स्वर : अतीत और वर्तमान - डॉ नीलम, डॉ नामदेव

आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता

सामाजिक नया और दलित साहित्य- श्यौराज सिंह 'बेचैन' (स॰)

Additional Resources:

दलित दस्तक

सम्यक भारत
अंबेडकर इन इंडिया
बहुरी नहीं आवना
नेशनल दस्तक (वेब लिंक)

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

Assessment Methods

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म और डॉक्यूमेंट्री

Keywords

अस्मितामूलक विमर्श से जुड़े तथ्य

जनपदीय साहित्य
(BAPHGE02)
Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

बोलियों और जनसंस्कृति का परिचय देना

जनपदीय जीवनशैली और साहित्य को अध्ययन की मुख्यधारा से जोड़ना

Course Learning Outcomes

लोक संस्कृति की समझ विकसित होगी

पर्यटन, साहित्य और बोलियों की जानकारी प्राप्त होगी
लोकसाहित्य के अध्ययन विश्लेषण की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

जनपदीय साहित्य

जनपदीय साहित्य की अवधारणा ,जनपदीय साहित्य के विविध रूप – लोकगीत , लोककथा , लोगागथाएं , लोकनाट्य , लोकोक्तियाँ , पहेलियाँ – बुझौवल और मुहावरे हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (सामान्य परिचय) मौखिक साहित्य और समाज |

Unit 2

लोकगीत :वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत :सोहर , विवाह, मंगलगीत इत्यादि !

सोहर भोजपुरी :भोजपुरी सस्कर गीत - श्री हंस कुमार तिवारी –बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् प्.8 ,गीत संख्या 4

सोहर अवधि –हिंदी प्रदेश कि लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय प्.110,111साहित्य भवन इलाहावाद

विवाह – भोजपुरी – भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य –विधा सिन्हा ,प्.116

ऋतूसंबंधी गीत :बारामासा ,होली.चैत ,कजरी इत्यादि !

-निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के उल्लेखित पृष्ट

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य :शंकर लाल यादव पृ 231

हिंदी परदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 205

वाचिक कविता :भोजपुरी :पं विधा निवास मिश्र ,पृ 51,49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी , जंतसर ,दँवनी, रोपनी , इत्यादि !

कटनी के गीत , अवधी 2 गीत –हिंदी प्रदेश के लोकगीत: पं कृष्णदेव उपाध्याय, पृ 134 135

जंतासरी :भोजपुरी –भारतीय लोकसाहित्य परंपरा और परिदृश्य –विधा सिन्हा ,पृ 140,141

विविध गीत :घुघुती –कुमाउनी:कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी ,

गढ़वाली :कविता कौमुदी :ग्रामगीत ,पं . रा.न.त्रिपाठी , पृ 801 -802

Unit 3

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएं का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ आल्हा ,लोरिक ,सारंग सदावृक्ष , बहुला

राजस्थानी लोककथा नं.2,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास , पंडीत राहुल सांकृत्यायन पृ 10 , 11 (सोलहवां भाग)

मालवी लोक कथा नं.2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास , पंडीत राहुल सांकृत्यायन पृ 461 -462

अवधी लोककथा नं. 2 ,हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास , पंडीत राहुल सांकृत्यायन पृ 187 -188

Unit 4

(क)पाठ : संक्षिप्त लक्कड़हारा सांग लख्मीचंद ग्रन्थावली

संपा प्रो पूरनचंद शर्मा हरियाणा साहित्य अकादमी , चंडीगढ़

(ख) बिदेसिया :भिखारी ठाकुर कृत लोकनाट्य

बिदेसिया , काठपुतली,सांग,(हरियाणा)भांड , ख्याल (राजस्थान) माच (मालवा)

References

हिंदी प्रदेश के लोकगीत –कृष्णदेव उपाध्याय

हरियाणा प्रदेश के लोकसाहित्य - शंकर लाल यादव

मीत मई पीपल – देवेन्द्र सत्यार्थी

मालवी लोकसाहित्य का अध्ययन– श्याम परमार

रसमंजरी - पं.विद्यानिवास मिश्र

हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास , पंडीत राहुल संकृत्यायन(सोलहवां भाग)

वाचिक साहित्य :भोजपुरी –पं.विधानिवास मिश्र

भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य विधा सिन्हा

कविता कुमोदी :ग्रामगीत –रामनरेश त्रिपाठी

लखमीचंद का काव्य – वैभव –हरिचंद बंधु

सूत्रधार –संजीव

हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन-हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन

मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

हिंदी का जनपदीय साहित्य –पं विद्वानिवास मिश्र

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, समूहिक चर्चा, ऑनलाइन वीडियो

Assessment Methods

टेस्ट असाइनमेंट

Keywords

सभी नाम और शैलियाँ, जनपद, संस्कृति-समाज, बोलियाँ

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

(BAPHGE04)

Generic Elective - (GE) Credit:6

Course Objective(2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना

हिन्दी सिनेमा के विकास का अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी

सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत मे आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे

Unit 1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

Unit 2

हिंदी सिनेमा :उदभव और विकास

Unit 3

सिनेमा में कैमरे की भूमिका

Unit 4

नयी तकनिकी और सिनेमा – संभावनाएं और चुनोतियाँ

(संदर्भ – मुगले आज़म, मदर इंडिया, दीवार , पीके)

References

हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चडढ़ा

सिनेमा, नया सिनेमा - ब्रजेस्वर मदान

सिनेमा : कल,आज और कल – विनोद भारद्वाज

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – करुणाशंकर उपाध्याय

हिंदी का मौखिक परिदृश्य – कौशल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमाई शब्दावली

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-क) (BAPMILHA01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी

Unit 1

हिंदी भाषा

क. आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्भव और विकास

ख. हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास

ग. राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा के रूप में हिंदी

Unit 2

हिंदी साहित्य का इतिहास

क. हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल. मध्यकाल) सामान्य परिचय

ख. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

Unit 3

(क) कबीर - कबीर ग्रंथावली. संपा श्यामसुंदरदास. काशी नागरी प्रचारिणी सभा. उन्नीसवां संस्करण सं 2054 वि.

पृ. 23 दोहा 27, पृ 29. दोहा 20, पृ. 30 दोहा 3 और 4, पृ 35 दोहा 8. पृ 39 दोहा 9

(ख) मीराबाई की पदावली. संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी. हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग.चौदहवां संस्करण 1892.सन् 1970 ई. पद 1. 4. 5. 6.

(ग) बिहारी बिहारी रत्नाकर - संपा . जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान. नई दिल्ली सं. 2006 दोहा 381. 435. 438. 439.491

Unit 4

आधुनिक हिंदी कविता

जयशंकर प्रसाद - हिमाद्री तुंग श्रृंग से

नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है

रघुवीर सहाय -

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास
रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

Teaching Learning Process

व्याख्यान, समूहिक चर्चा, वीडियो आदि

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ख) (BAPMILHB01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी भाषा और साहित्य :

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : संक्षिप्त परिचय

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : संक्षिप्त परिचय

Unit 2

भक्तिकालीन कविता :

(क) कबीर : संपा. श्यामसुंदर दास, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, उन्नीसवाँ संस्करण, सं. 2054 वि.
पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ ...
कस्तूरी कुंडलि बसै ...
यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान ...
सात समुंदर की मसि करूँ ...
साधु ऐसा चाहिए ...
सतगुरु हमसूँ रीझकर ...

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' से केवट प्रसंग

Unit 3

रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी :
बतरस लालच लाल की ...
या अनुरागी चित की ...
सटपटति-सी ससिमुखी ...

(ख) भूषण :
इंद्र जिमि जंभ पर ...
साजि चतरंग सैन ...

Unit 4

आधुनिक कविता

सुभद्रा कुमारी चौहान : 'बालिका का परिचय'
निराला : तोड़ती पत्थर

References

रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका

संपा. डॉ. नगेंद्र - हिंदी साहित्य का इतिहास

रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास

विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी साहित्य का सरल इतिहास

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी : भाषा और साहित्य (हिंदी-ग) (BAPMILHC01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC)
Credit:4

Course Objective(2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी

विशिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी

आधुनिक भारतीय भाषा - हिंदी भाषा और संप्रेषण (BAPAECC01)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC)
Credit:4

Course Objective(2-3)

भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय

विभिन्न माध्यमों की जानकारी
प्रभावी सम्प्रेषण का महत्व
रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना

Course Learning Outcomes

इस पाठ्यक्रम को पढ़ ने पढ़ाने की दिशा मे निम्नांकित परिणाम सामने आएंगे ।

1 स्नातक स्तर के छात्रों को भाषायी संप्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेकों पहलुओं से अवगत करवाया जाऐगा ।

2 भाषायी संप्रेषण और संभाषण के अनेकों आयामों , उसके महत्व , प्रयोग विस्तार , शैली , भाषिक संस्कृति की समझ विकसित हो सकेगी ।

3 भाषा के शुद्ध उच्चारण , सामान्य लेखक , रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे ।

4 व्याकरणिक रूपों की चर्चा करने के साथ-साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को भी समझ सकेंगे ।

5 भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप , भाषण , उसके पल्लवन , पुस्तक-समीक्षा, फिल्म-समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे ।

इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत कर आशा करते हैं कि स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाषाई दक्षता के हर पहलू से परिचित हो सकेंगें । हिन्दी भाषा को समझने , उसके शुद्ध रूप ,तकनीकी रूप और ज्ञानवृद्धि के साथ भाषा में दक्षता प्राप्त कर सकेंगें ।

Unit 1

इकाई -1 - भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धान्त

1 - सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
2- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
3- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
4- सम्प्रेषण की चुनौतियाँ

Unit 2

इकाई - 2 सम्प्रेषण के प्रकार

1- मौखिक और लिखित

2- वैयक्तिक और सामाजिक

3-व्यावसायिक

4- भ्रामक सम्प्रेषण (miscommunication)

5- सम्प्रेषण बाधाएँ और रणनीति

Unit 3

इकाई - 3 सम्प्रेषण के माध्यम

1- एकालाप

2- संवाद

3- सामूहिक चर्चा

4- प्रभावी सम्प्रेषण

Unit 4

इकाई - 4   व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक सम्प्रेषण

1- व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता - आयु, लिंग,वर्ग, शिक्षा
2- प्रभावी सम्प्रेषण के गुण - शुद्ध उच्चारण, भाषिक संरचना की समझ,भाषा व्यवहार,शब्द सामर्थ्य,शैली -सुर-लहर, अनुतान, बलाघात
3- प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में सम्प्रेषण की भूमिका
4- अभाषिक सम्प्रेषण

References

हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

संप्रेषण-परक व्याकरणः सिद्धांत और स्वरूप-सुरेश कुमार

प्रयोग और प्रयोग- वी.आर.जगन्नाथ

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका-विद्या निवास मिश्र

कुछ पूर्वाग्रह-अशोक वाजपेयी

भाषाई अस्मिता और हिन्दी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

रचना का सरोकार-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- डॉ.मंजु मुकुल

Teaching Learning Process

शिक्षण योजना

सप्ताह 1 से 4 के बीच

इकाई -1 : भाषिक सम्प्रेषण : स्वरूप और सिद्धान्त

1 - सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व
2- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
3- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
4- सम्प्रेषण की चुनौतियाँ

- **सप्ताह 5 से 8 के बीच**

इकाई -2 : सम्प्रेषण के प्रकार

1- मौखिक और लिखित

2- वैयक्तिक और सामाजिक

3-व्यावसायिक

4- भ्रामक सम्प्रेषण (miscommunication)

5- सम्प्रेषण बाधाएँ और रणनीति

सप्ताह 9 से 12 के बीच

इकाई-3 : सम्प्रेषण के माध्यम

1- एकालाप

2- संवाद

3- सामूहिक चर्चा

4- प्रभावी सम्प्रेषण

सप्ताह 13 से 16 के बीच

इकाई- 4 : व्यक्तित्व और प्रभावी भाषिक सम्प्रेषण

1- व्यक्तित्व और भाषिक अस्मिता - आयु, लिंग,वर्ग, शिक्षा
2- प्रभावी सम्प्रेषण के गुण - शुद्ध उच्चारण, भाषिक संरचना की समझ,भाषा व्यवहार,शब्द सामर्थ्य,शैली -सुर-लहर, अनुतान, बलाघात
3- प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में सम्प्रेषण की भूमिका
4- अभाषिक सम्प्रेषण

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-क) (BAPMILHA02) Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय

हिन्दी गद्य के विभिन्न रूपों का परिचय

Unit 2

प्रेमचंद - नमक का दारोगा

जयशंकर प्रसाद - पुरस्कार
मोहन राकेश - मलबे का मालिक
मन्नू भण्डारी - मैं हार गई

Unit 3

बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह
हजारी प्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल
विद्यानिवास मिश्र - रहिमन पानी राखिए

Unit 4

संस्मरण - घीसा - महादेवी वर्मा

व्यंग्य - भोलाराम का जीव - हरीशंकर परसाई
यात्रा - विद्रोह की पगडंडी : मीरां के देश मे एक नास्तिक- पंकज बिष्ट
नाटक - जिस लाहौर नइ देख्या - असगर वजाहत

References

हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र वर्मा

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
बलकृष्ण भट्ट के निबंध - सत्यप्रकाश मिश्र
महादेवी - दूधनाथ सिंह
आंखिन देखि - कमला प्रसाद
खरामा - खरामा - पंकज बिष्ट
कथेतर - माधव हाड़ा
गद्य की पहचान - अरुण प्रकाश

शेष पुस्तकें पूर्ववत ही रहें।

Additional Resources:

Additional Resources:

www.hindisamay.com

www.gadykosh.com
http://hanshindimagazine.in

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ख)
(BAPMILHB02)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC)
Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

Unit 2

प्रेमचंद – बूढ़ी काकी

प्रसाद – गुंडा

चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था

Unit 3

बालमुकुन्द गुप्त – मेले का ऊंट

भारतेंदु – इंग्लैण्ड और भारतवर्ष

हरिशंकर पेरसाई – सदाचार का ताबीज

Unit 4

भारतेंदु – अंधेर-नगरी

महादेवी वर्मा – बिबिया

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण सहनी;निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छयायोत्तर हिंदी गद्य साहित्य –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र –हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ;निर्मला /अनिल राय

हिंदी गद्य : उदभव और विकास (हिंदी-ग) (BAPMILHC02)
Ability-Enhancement Compulsory Course(Only meant for Language Department/ EVS for Department of Environmental Studies) - (AECC) Credit:4

Course Objective(2-3)

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाओं का परिचय देना

विभिन्न कृतियों द्वारा आधुनिक साहित्य की समझ विकसित करना

Course Learning Outcomes

हिन्दी गद्य साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

कृतियों के अध्ययन-विश्लेषण से साहित्यिक समझ विकसित होगी

Unit 1

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

हिंदी गद्य – रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, रेखाचित्र/संस्मरण)

Unit 2

प्रेमचंद – ईदगाह

भीष्म साहनी - चीफ की दावत

Unit 3

बालकृष्ण भट्ट – ज़बान

शरद जोशी – होना कुछ नहीं का

शिवपूजन सहाय -गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएँ

Unit 4

महादेवी वर्मा – गिल्लू

विष्णु प्रभाकर – वापसी

विश्वनाथ त्रिपाठी – गंगा स्नान करने चलोगे? (गाँव स्नान करने चलोगे' पुस्तक से अंश)

References

हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह

निबंधो की दुनिया – विजयदेव नारायण साहनी; निर्मला जैन /हरिमोहन शर्मा

छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा

निबंधो की दुनिया – शिवपूजन सहाय ; निर्मला /अनिल राय

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा